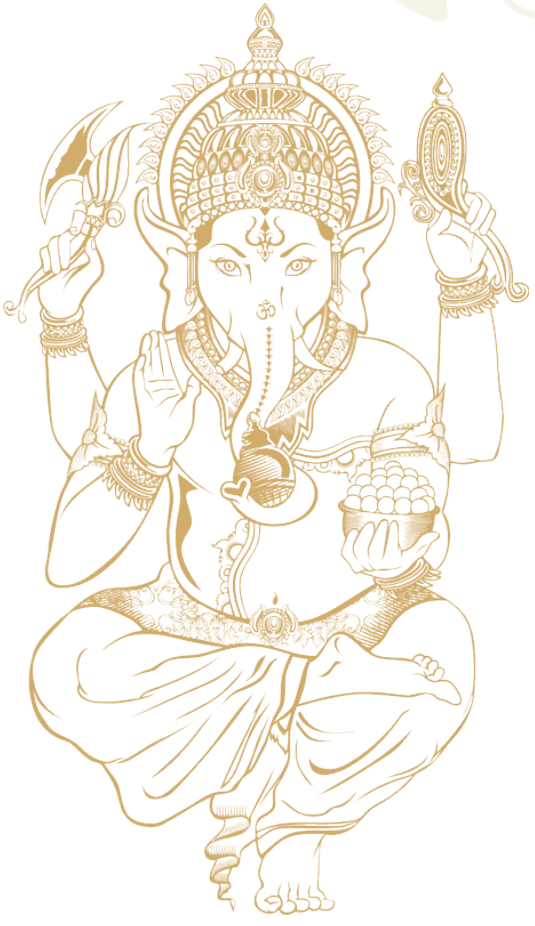

Mr.Vinit kumar

Ms.Jyoti Verma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120677502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
2-03/04/1990	जन्म तिथि	29/09/1998
सोम-मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 05:10:00	जन्म समय	21:35:00 घंटे
घटी 58:32:38	जन्म समय(घटी)	39:36:32 घटी
India	देश	India
Chattarpur	स्थान	Barabanki
24:23:00 उत्तर	अक्षांश	26:56:00 उत्तर
84:11:00 पूर्व	रेखांश	81:11:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:44	स्थानिक संस्कार	-00:05:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:44:56	सूर्योदय	05:56:47
18:09:49	सूर्यास्त	17:54:13
23:43:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:13

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 8वर्ष 6मा 27दि		06:35:45	मीन	लग्न	वृष	20:18:03	शुक्र 7वर्ष 6मा 6दि	
बुध		19:14:30	मीन	सूर्य	कन्या	12:28:27	मंगल	
29/10/2017		26:11:17	मिथु	चंद्र	धनु	21:39:16	06/04/2022	
29/10/2034		22:52:17	मक	मंगल	सिंह	01:20:13	06/04/2029	
बुध	27/03/2020	03:55:05	मेष	बुध	कन्या	15:31:24	मंगल	03/09/2022
केतु	24/03/2021	09:15:00	मिथु	गुरु व	कुंभ	27:27:19	राहु	21/09/2023
शुक्र	23/01/2024	02:49:08	कुंभ	शुक्र	कन्या	04:32:45	गुरु	27/08/2024
सूर्य	28/11/2024	00:47:18	मक	शनि व	मेष	08:08:55	शनि	06/10/2025
चन्द्र	30/04/2026	21:02:37	मक	राहु	सिंह	07:03:05	बुध	03/10/2026
मंगल	27/04/2027	21:02:37	कर्क	केतु	कुंभ	07:03:05	केतु	01/03/2027
राहु	13/11/2029	15:48:50	धनु	हर्ष व	मक	15:07:29	शुक्र	30/04/2028
गुरु	19/02/2032	20:48:00	धनु	नेप व	मक	05:35:11	सूर्य	05/09/2028
शनि	29/10/2034	23:33:46	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	11:59:52	चन्द्र	06/04/2029

लग्न-चलित

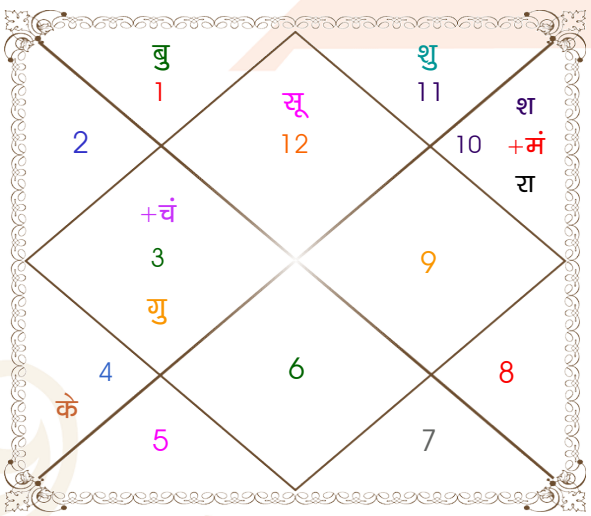

लग्न-चलित

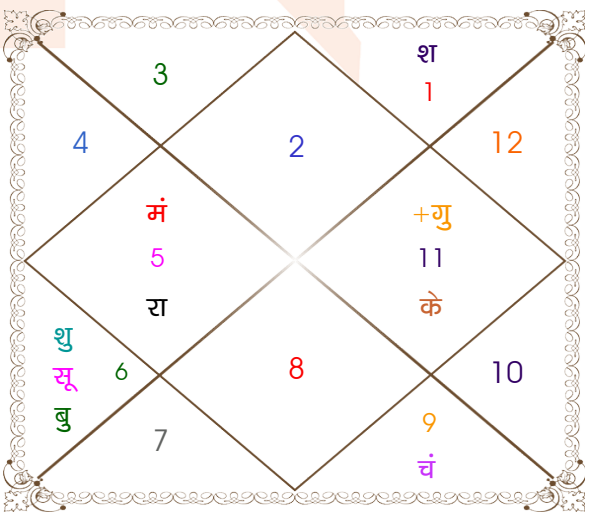

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण्टपदपज ानउंत का वर्ग मार्जार है तथा डेण्श्रलवजप टमतउं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्टपदपज ानउंत और डेण्श्रलवजप टमतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्टपदपज ानउंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण्श्रलवजप टमतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण्श्रलवजप टमतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण्टपदपज ानउंत कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः

मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्टपदपज ।नउंत तथा डेण्श्रलवजप ट्मतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।